(ङ) संयंत्रों में सामान्य मरम्मत तथा प्रतिस्थापन के अतिरिक्त सभी एककों में कैपटिव पावर संयंत्र स्थापित किए गए हैं । संयंत्रों के मुख्य पुनरुद्धार का कोई कार्य नहीं किया जा सका क्योंकि उच्च निवेश तथा उससे उत्पन्न आवर्ती उच्च राजसहायता दायित्व को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को लाभप्रद नहीं समझा गया । अब कम्पनी को बी आई एफ आर द्वारा रूग्ण घोषित कर दिया गया है और सरकार को निर्देश दिया गया है कि 31–3–1993 तक लाभप्रद पुनरूद्धार पैकेज प्रस्तुत करें ।

"हिन्दुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लिमिटेड" कोचीन में संकट

1980. **श्री अजीत जोगी** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या "हिन्दुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लिमिटेड" कोचीन को बेन्जीन की कीमतों में वृद्धि की वजह से संकट का सामना करना पड़ रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में क्या निवारक कदम उठाए जा रहे हैं ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

उर्वरकों के विपणन पर प्रतिबंध समाप्त करने का प्रस्ताव

1981. **श्री अजीत जोगी** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार सभी किस्म के उर्वरकों के विपणन पर प्रतिधारण कीमत तथा पूल और क्षेत्र प्रतिबंध समाप्त करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) इसका उर्वरक उद्योग पर क्या प्रभाव पड़ेगा; और

(घ) कीमतों में वृद्धि की वजह से रासायनिक उर्वरकों के उत्पादन तथा उनके उपभोग पर किस सीमा तक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो) : (क) से (घ) इस समय नाइट्रोजनी उर्वरकों के सम्बन्ध में प्रतिधारण मूल्य योजना अथवा मूल्य एवं संचलन नियंत्रण समाप्त करने के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है । तथापि, फास्फेटिक एवं पोटाशिक उर्वरकों पर मूल्य एवं संचलन नियंत्रण 25–8–1992 से वापस ले लिये गये थे । अनियंत्रण के पश्चात् कई घरेलू फास्फेटिक एकक अपेक्षाकृत सस्ते आयातों से प्रतिस्पर्धा में कठिनाई की रिपोर्ट दे रहे हैं । अक्टूबर 1992 से जनवरी 93 की अवधि के दौरान P_2O_5 के रूप में फास्फेटिक उर्वरकों का कुल उत्पादन 7.44 लाख टन तक पहुंच गया । जबकि अक्तूबर 1991 से जनवरी 92 के दौरान यह 8.83 लाख टन था । चालू रबी सत्र के दौरान डाई अमोनियम फास्फेट (डी ए पी) की बिक्री में गत रबी सत्र की तुलना में लगभग 32% की कमी आई है और एमओपी के सम्बन्ध में यह कमी 55% है ।

Allegations of corrupton against the Officials of the Department of Chemicals

1982. SHRI H. HANUMANTHAPPA:

SHRIMATI SATYA BAHIN:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that serious allegations have been made on the issue of non-determination of liabilities and also non-recovery of dues from the drug companies as appeared in the 'Orissa Times' dated the 14th December, 1992; and